

www.kotobarabia.com

لغة

نهج البلاغة



www.kotobarabia.com

الشريف الرضي

نهج البلاغة

للإمام علي بن أبي طالب
جمعه الشريف الرضي

قرأه وعلق عليه
د. يحيى مراد

طبقا لقوانين الملكية الفكرية

جميع حقوق النشر و التوزيع الالكتروني
لهذا المصنف محفوظة لكتب عربية. يحظر
نقل أو إعادة نسخ أو إعادة بيع أى جزء من
هذا المصنف و بثه الكترونيا (عبر الانترنت أو
للمكتبات الالكترونية أو الأقراص المدمجة أو أى
وسيلة أخرى) دون الحصول على إذن كتابي من
كتب عربية. حقوق الطبع الورقى محفوظة
للمؤلف أو ناشره طبقا للتعاقدات السارية.

- () -
- - -

()

:

- - - ()

- - -

- - - - -

()

()

()

()

()

()

()

()

)) :

() ((

()

()

--

--

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

: ()

()

()

:

()

-

:

-

-

-

()

()

-

-

:

.	/	()
.	/	()
.	.	()
.	.	()
.	.	()
.	/	()
.	.	()

()

:

)) -

)) : (()) : ((

- -

. () ((

: (()) : -

()

)) : -

: ((

. ()

)) -

)) : . ((

. / ()

. ()

. ()

. ()

() ((

)) :

. () ((

:

:

-

. ()

:

.

:

:

((

)) :

-

)) :

. () ((

)) :

)) :

((

()

()

()

.

:

:

.

:

:

:

. /

()

() ((

(()) - -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()		

()

()

()

()

()

-

()

:

) -

()

: :

-

-

()

()

()

()

()

()

()

()

() { }

: { } :

:

. () ((- -))

((- () -)) :
()

):

. () ((

. () (()) :

()

-

-

()

()

: : ()

/ ()

. ()

. ()

:"

:

"

-

:

(/)

-

-

:

:

()

:

:

--

--

!

..... :

:(/) -

(- /) -

:

" " : :

- " " -

.....

:(/)

:

)" " -

:(

.....

:() -

()

:

()" " -



” ” ... :

” ” . . .

·
: (/) - -

: (- /)
” ” -

- -

...

.

.....
:(/) -
" "

-

-

.....

["] :
" :
:

-
-
-
-
-
-

.

ترجمة الشريف الرضي

:

.

.

.

.

:

.

ترجمة الشريف الرضي

[]
()

[]

]

[

()

()

()

[

]

:

« » :

« »

()

()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

[]

()

()

()

()

()

()

- -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

⋮ ⋮ ()

⋮- - ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮- - ⋮ ()

⋮- - ⋮ ()

⋮- - ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ⋮ - - ()

⋮ ()

⋮ ()

()

() :

() ()

() () () () ()

() () :

()

()

()

):

(

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: - ()

: ()

: ()

.() :

()

() ()

[]

()

()

()

()

:

()

()

:

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

» «

()

[()]

() ()

()

()

[]

() [:] ()

()

()

() :- - ()

() :- - ()

() » « ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[:]

()

) : ()
.(

[]
()

[]

()

()

()

. : ()
. : ()
- - : ()
. : ()
. : ()

() () ()

() ()

.

() ()

() () ()

() () ()

.

() () () :

()

.

:- - ()

.

:

()

.

:- - ()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:- - ()

.

:- - ()

.

:

()

.

:

()

() ()
.
:
* ()
- () !!
() - ! ()
() () () [] ()
() () - () () ()
()
()

! ()

()

. : ()
. : ()
:- - ()
. : ()
. : ()
: : ()
. : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
:- - ()
: : ()
: : ()

) : ()
! ()
! () ()
() ()
() () () ()
()
! ()
() :

=

· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : « » ()
· : « » ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : « » ()

:() !^() () !
!() () () !
:
()
» : ()
: «
: :
.« »
« » : « » : ()
: ()
()
:
*
[]
()
() []
() () [() :]
() () ()
:
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:
: ()
: ()
:- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

!

!

()

!

[]

()

()

=

()

:

()

:

:

()

:

()

:-

-

()

:

()

:

()

:

()

:

:-

-

:

()

:

:

()

:

()

:

()

:

}:

{

()

:

نهج البلاغة

() () :

() () .

) (

[]

() [] ()

() () () () ()

!

[]

()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. :- - ()

[]
()

[]
() ()
[] () ()

[]
()
[] ()

() ()
() ()

[]
()
[]
()
[]

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

() ()

!

()

.

[]

()

:

:

()

:

:

()

[]

()

[()

] ()

()

()

()

: ()

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

∴
()

()

:

[]

()

()

() ()

[]

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

[]

()

[() () () () () ()]

() () () () () ()

() () () () () ()

() () () () () ()

.

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : « » ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

()

()

()

!

:

-

-

()

.(

(()

[

]

!

()

.

.

« »

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

[]
()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

:

()

:

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

() ()

:

()

()

()

- () ()

()

()

()

()

!

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

! ! () !

! ! - - !

() !
() :
) :

() .

[]
()

:

: ()

!

!

!

!

!

!

() : ()
() : ()

» : . :()
: «
« »
.
[]
()
[]
()
!
() :
()
.
[]
()
() []
() () ()
.
) :
» :() . («
«

: ()
: ()
:
: ()
: ()
: ()
: ()

!() () !

!
!

[]

()

[

]

[]

()

() ()

:

.

()

: ()

:- - ()

: ()

» : :- - : ()

«

: : : ()

{ } :

:- - ()

()

[]

()

()

()

:

⋮

()

()

» : ()

«...»

()

[]

()

⋮ : ()

⋮ :- - ()

⋮ :- - ()

⋮ : ()

⋮ : ()

}:

{

⋮ : ()

⋮ : ()

- () *

() :()

() ()

()

*

()

:

() :

«...» :

[]

()

[]

:- - ()

:

()

:

()

:- - ()

:- - ()

:

()

:- - ()

:- - ()

« » :

[]

()

()

()

()

()

:

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

« »

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]
()
]

[
[]
() ()
() () ()
() () ()
[]
:
() ()

. : :- - ()
. : ()
. : - - ()
. : ()
. : ()
. () :
. : ()
. : ()
. : ()
. :- - ()
. : ()

!

[]

()

()

!

- -

() () ! () ()

:

!

() !

!

()!

[]

()

« »:

[]

=

!

:

()

:- - ()

:

()

:

()

:

()

:- - ()

:

()

:

()

« » :

()

()

()

()

()

!()

!()

()

()

:

.

:

» :()

-

«

.

()

()

()

:

.

:- - ()

. : ()

:- - ()

- - :- - ()

. :- - ()

» : () -
« » : «
« » :
: !
« » : « »
() :
« » : . ()
[]
()
[]
[]
() ()
() : ! ()
() ! :
_____ : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
= - -

!

()

()

!

()

()

!

!

[]

()

()

!

!

()

[]

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

() () : ()

: : () :

()

.« » : ()

[]

()

[]

() [()]

()

[]

() :

()

« » : ()

: ()

: ()

: ()

:- « » - : ()

: ()

: ()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

[]

: ()

« » : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: - ()

: ()

: ()

: - ()

: - ()

: - ()

نهج البلاغة

()

()

()

()

()

() ()

()

()

()

() ([() ()]

()

!

!()

()

()

: ()

: ()

« » : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

« »

() :

: .
!

[]

()

[]

:()

: ! : : ()
()

:

[]

()
()

()

[]

() ()

()

() :

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

() : : ()

=

()
 ! () () ()
 () () ()
 () () ()
 () () ()
 () () ()
 []
 () : !
 () :
 :
 =
 « »
 . : ()
 :- - ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()

[]
()
[]
[]
() ()
()
[]
()
! ()
:()
* ()
[]
()
()
- - : ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

() () ()

()

() ()

- () ()

() -

[]

()

[() ()]

() ()

=

: ()

.

:

()

()

() :

.

:

:

:

:

:

:

:

:

:- -

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

[

]

()

[]

()

[

]

[

]

!

()

=

()

()

()

()

()

()

()

() ! ()

()

()

()

()

.()

:

:

:

« » :()

[]

()

«

»: ()

:()

:

!

:

()

:

.(

« »

:

:()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

- -

:

:

()

[]
()
[()] ()
()
() ! !
()
[]
() [:] !
() ()
()
_____ ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()

[]
()

() () ()
()
()

[]
()

() () ()
! ! ()

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

[]

()

[]

[]

[]

()

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

) ()
« » : ()
[]
()

() () ()

!

[]
()

() [() () :]

: ()
: ()
: ()
- - : ()
« » « »
: ()
: ()
: ()
: ()

() ()
() ()
. ()
: ()
. :
[]
()
[()]
() ()

!
[]
()
[]

:- - ()
: ()
: ()
: « » : ()
: ()
: ()
- - : ()
:

()

! ()

[]
()
()

()

()

()

()

[]
()

[]

()

()

· : ()
· :- - ()
· : ()
« » : ()
· :- - ()
· : ()
· : ()
· : ()

نهج البلاغة

() () ()
() () () () ()
() () () () ()
() () () () ()
[]
() () () () ()
() () () () ()

« » : ()
: ()
:- ()
: ()
: - - - ()
: :- - ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()

[]
()

- []

.

-

:

()

()

()

()

[]

()

[

()

()

]

()

()

()

[]

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

:-

-

! ()
[]
() () ()
!
[]
()
[:] ()
!() ! ()
() ()
()
: « » : ()
: . : : : :
: : « »
: ()
: ()
: ()
: ()
: « »
: ()
: ()
: ()
: ()

: - - « » : ! : ()

. :

[]
()

:

:

[]

()

:

:

()

()

[]

()

.

:

[]

()

: ()

: ()

()

()

()

()

[]

()

[]

()

()

[]

()

[]

()

()

()

()

()

: ()

:- ()

: - ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

.

()

()

:()

()

.

()

.

!

()

[]

()

[

]

[]

.

()
:
()
:
()
:
()
:
()
:
()
:
()
:
()

()

.

() () () () ()
: () :

()

() ()

() ()

!

[]

()

- « » :- - ()
؛

:- - ()

: ()

- « » : ()

:-

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ؛ : ()

: ()

: ()

« » : ()

[]

() () :

() () () () ()

() () () ()

) ()

() () () ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

[]

()

()

()!

()

()

()

()

()

()

!

()

- -

: ()

: - - ()

: ()

: ()

: ()

: - - ()

: ()

: - - ()

: ()

: ()

()

()

!

[]

()

()

()

:()

: « » :

.

.

:

[]

()

()

()

()

[]

()

()

:

:- - ()

:

()

:

()

:- - ()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

! []

! () ! ()
.()

[]

()

()

[

]

() [] ()

()

:()

[]

()

()

()

()

()

: ()

» .« » :

.«

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

() ()

() ()

() ()

[] ()

) () :

: () (

: ()

() ! ()

!

[]

: « » : ()

: ()

: ()

- - : ؛ ()

: « » ؛ ()

: ؛ ()

: ()

: ()

: ()

: - - ()

()

()

[]

()

!

()

()

()

!

[]

()

()

()

[

()

]

()

-

-

:

؛

()

.

.

:

:-

-

؛

()

()

{ } :

:-

-

()

:

()

:

()

:

:-

-

()

=

()

()

()

()

()

[]

()

[

]

!

« » : () . ()

« » :

:

:

() :

[]

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

« »

:- -

- -

: ()

() . () [] ()
()
[]
()
:
()
()
- -
!!
:
() []
!
[]
()
- . : ()
« » -
:
()
:
()
:
()
:
()
:
()

:

[]

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

! !^()

()

- :

: ()

-

-

-

: ()

: -

-

-

-

: ()

:

.

.

: ()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

()

« » : ()

:

« » « » « »

!

[]

()

« »

]

()

[

[]

()

()

()

()

()

-

()

()

()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

[]
() ()
 () () () ()
() () () () ()
 () ()

[]
() () () () ()
 () () () ()

					=
				:- -	()
				:	()
				:	()
				:	()
	:	-	-	:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:- -	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				:	()
				« »	()
				:	()
				:	()

	()		()
()	()		()
	()	()	
()	()	()	
()	()	()	()
	()	()	()

[]

	:	()
-	:	()
	:	()
-	؛	()
	-	
	:	()
	:	()
:	؛	()
	؛	()
	:-	()
	:-	()
	:	()
	:	()
	:	()
	:	()
	:-	()
	:-	()
	:	()
« »	:	()
	:	()
	:	()
	؛	()
	:	()
	:	()

()

()

() [] ()

()

()

()

()

()

.

()

()

.

[

]:

()

()

()

()

()

:

: «

»

: ()

.{

}

: ()

: ()

:-

- ؛

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

=

:

-

-

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

:-

-

:

()

:

()

: . :

« » :

()

:

()

:

()

:-

-

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:-

-

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

!

() ()

() () ()

() () ()

() () () ()

! () ()

! () ()

() !

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

: . : ()

. : - - ()

: :- - ()

. : ()

. : ()

: :- - ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

()

()

!

!

! ()

[]

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

- - : ()

: ()

: ()

: ()

! () ! []
!
.
()
! () ! () ! ()
() ()
! () ()
() () () [()]
() ()

.
:
()
.
:
()
.
:
()
.
:
()
:- - :- - ()
.
:
()
.
:
()
:- - ()
.
:
()
:- - ()
.
:
()
.
:
()
:- - ()
.
:
()
.
:
()
.
:
()
:- - ()

()
.
() :
« » :
[]
()
:() () ! ()
.
! ()
() - () -
()
!
()
()
()
.
: ()
« » : ()
.
:- - ()
:- - ()
: : : ()
.
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()
.
: ()

[]
()
[]
:
()
.
:
()
()
()
()
()
:(
:
()
.
[]
()
[]
[]
:
()
:
()
:
()
« » : ()
:- - ()
:- - ()

()

()

()
[] -

()

()

() - -

()

()

()

()

()

:

:

()

؛

:-

-

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

[]
()

]

[

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

- -

()

()

()

()

()

[]

:

()

:

!

- - : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: :- - ()

: : ()

[]

() (!) () ()
() () () ()

!

()

»:()

«

- -

!

!()

()

[]:

() ()

()

()

()

()

()

()

()

-

()

()

: «

:

:

()

()

()

!

()

[]

()

[]

()

()

!

!

()

[]

()

[]

()

()

« » :- - ()

· : ()

· : ()

· :- - ()

« » :- - ()

نهج البلاغة

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.	:	()			
«	»:	()			
.	:	()			
.	:	()			
.	:«	»	()		
.	:	()			
.	:	()			
.	:	()			
.	:	()			
:	:	-	-	:	()
.	:	()			
:	:	-	-	:	()

=

()
() () ()
()
() ()
[]
() ()
()
: ()
! :
: ()

: ()
: ()
: ()
« » : ()
: ()
}:
{ : ()
- : - ()
: - - ()
: ()

)

: (

[]
() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

« »

()

[]

()

:

()

()

()

- -

()

()

()

()

()

()

()

()

« » :- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

- -

: ()

: ()

: ()

() () - -
() () ()
()
() ()
()):
() () *
()
=

.	.	:-	-	()
.	:	:-	-	()
.	:	.	:	()
.	.	.	:	()
.	.	.	:	()
.	.	.	:	()
.	.	:-	-	()
.	.	-	-	()
.	.	.	:	()
.	.	.	:	()
.	.	.	:	()
.	.	.	:	()

()
() []
:
()
() ()
() () ()
() () ()
() ()

: ()
: ()
: ()
: ()
:
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
- - : ()
:
: ()

()

()

()

() *

() ()

() () ()

() () ()

() ()

()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

نهج البلاغة

() ()
()
() ()
() () ()
() () () ()

: - - : ()
: - - : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
- - : : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()

()
() () ()
()
() () ()
() () ()
() () () ()
() () ()

= ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
- - : ()
: ()
: ()
- - : ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - : ()
: « » ()
- - :- - ()

() () ()

() ()

() () () ()
() () () ()

() ()
()

-

-

=

. : - - :- - ()
()

: . : - - ()
:- - :- - « » ()

. : ()
()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() : « » ()
() :- - : ()
() : ()
() : ()

() ()

() () ()
() () ()
() () ()
() () ()

: ()
- - : ()
: « : ()
: ()
: - - : ()
: ()
: - - : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
» :- - ()
: « : ()
- - : ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

!()

[]

()

()

()

()

()

!

[]

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

:- - ()

()

:- - ()

()

()

:- - ()

()

:« » :- - ()

[]:

()

[]

() () () () ()

() () ()

()

()

() ()

[]

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

()

.

[]

()

[]

()

()

()

()

()

.

[]

()

[]

[]

() :

()

: ()

()

: ()

()

: ()

()

()

[]

()

()

()

[]

()

[(

)

]

[(

)

]

()

()

()

!

()

:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

!

:

!

!

!

()

:()

()

:()

[

]

()

()

.

:()

()

()

()

()

()

()

()

()

! ()
() !
() !
! []
() []
() ()
:
()
[]
()

. : ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()

[]

()
() ()
!
!
()
()
() []
!
!
:
()
!
()

:- - ()
: ()
: ()
:
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()

=

[]
()

[]

() . () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()

. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. :- - ()
. : ()
- - « » : ()

. : ()
. :- - ()
: ()

()

()

() () ()

! () ()

! () () ()

[]

()

[]

[]

()

() ()

. : ()

. - - : ()

. :- - ()

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

()

[]:

!

()

!

()

[]:

()

()

()

()

()

.	:	()
.	:	()
:-	-	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()
:-	-	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()

()

.() :
: « » : ()
: :
: : .

[]
()
()
() ()

() ()

! ()

: ()
- « » : ()
: ()
: ()
: ()
: - - : ()

[]
 ()
 []
 []
 ()
 ()
 []
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 .
 .
 !
 !
 !
 []

.	:	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()

()

()

()

()

!

()

()

:

()

()

()

!

[]

()

[

]

[]

: ()

: ()

- :- - :- ()

:- ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

()

()

() () () ()
() () ()

() () () ()
()

() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() : ()
() : ()

()

()

()

()

()

()

·
:

!

!

!

[]

()

()

:- - ()

- - ()

· :- - ()

« » : ()

· : ()

· : ()

· :- - ()

() ()

() ()

() ()

! () ()

[]

()

[]

()

. ()

() () () :

() . ()

. - - : ()

. : ()

. :- - ()

. :- - ()

. :- - ()

. :- - ()

. :- - ()

. : ()

. « » ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

:

()

()

(

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

- - : ()

: ()

. : ()

: ()

. : ()

: ()

« » : ()

: . :- - ()

. :- - : ()

. : . : ()

. : ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

« » : ()

[]

[]

:

.

()

.

.

!

!

!

!

!

!

[]:

() ()

()

. : ()
. : ()
. : . : ()
. :- - ()

[()]
() !

:()

()

()

:

()

()

!

: .

()

:- - ()

. : ()

:- - ()

. : ()

: ()

()

()

()

()

()

!

() []

:

()

()

[]

()

()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

« » : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

:

[]

.

()

()

.

()

()

()

()

()

()

.

(

)

:

()

()

.

«

»

:

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

.

:

.

:

()

]

()

. [()]

()

[]
()
[]
[]

:

()

()

[]

: ()
:- - ()
:- - ()
: ()

()
[]
()
[]

()
() () () ()
-
()):
()
() () () () ()

!

()
() :- - ()
()
()
()
()
()
() :- - ()
() « » ()
() « » ()
()
()
()
()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

-

-

()

:()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

() ()

() []

()

()

()

.() :

[]

()

[]

() !

!

[]

()

[]

()
: ()
: ()
- - : ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()

()

()

()

!

()

!

()

!

()

[]

:-	-	()
:-	-	()
.	:	()
:-	-	()
.	« » :	()
.	« »	()

()

!

()

()

()

!()

!

!

!

!

:

()

: ()

:- - ()

: « » : ()

: : ()

: ()

:- - ()

)

.(

[]

()

()

()

()

()

!()

()

!()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:-

: ()

()
() ()
() ()
() ()
()
!
() ()
() ()
() ()
() ()

: ()
: ()
: ()
« » : ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
« » : ()
: ()

() () () ()
() ()
()
.
: () :()
:
:
: () :
: ()
*
): . : () :
: . : ()
()
[]
() []
() ()
:
:
:- - ()
:
:- - ()
:- - :- - ()
:
:
:- - :- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

∴ ∴

=

()

()

()

()

()

()

« » ∴ ()

()

()

()

()

()

« » ∴ ()

()

[]
()
[]
()
!
!
[]
()
[]
() () ()
!
[]
()
()
:
:()
! ! () !
:- - ()
- :- - ()
: ()
: ()
: ()

() ()

()

()

- ()

-

()

()

()

]

()

.[!

[]

()

[

]

()

-

()

-

:-

-

()

:

()

:

()

:-

-

()

:

()

:

()

:

()

:-

-

()

:-

-

()

:

()

:

()

()
[] ()

[]
[] ()
:

: ()
()!

! ()
() ()

: ()
- - ()
: ()
: ()
« » ()
» : :- - ()

«
:- - ()
: ()
: ()

()
! ()
() ()
! ()
() ()
[] ()
:()

. : ()
: : ()
: : ()
: : ()
« » ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

.

:

:

.

:

.

()

:-

-

:

.

:

]

.[

()

.

() ()

.

[]

.

: - - ()

.

:

.

:

()

()

()

()

()

()

!

.[!]

]

[]

()

:()

.()

[]

()

()

()

()

()

()

()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:-

-

.

: ()

: ()

: ()

« » : ()

: ()

() () ()

() .()

() ()

() ()

!()

.[()

]! ()

=

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

- - : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

:

:

:

[]

()

:()

()

() :

:

:- - ()

: - - ()

:- - ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

()
- ()
! !
() ()
() () ()
() () ! !
! () ()
[]
()
:
:- - ()
:- - ()
« » : ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
» « » : ()
«
:- - ()
: ()
: ()

()

!

!

()

()

.
:()

.()!

. :

« » : ()

. : ()

. : ()

. : ()

[]

()

)

!

(

[]

()

()

!()

:

!

()

()

() - -

: ()

: ()

:- - ()

: . : ()

-

()

[]

()

()

()

()

()

()

:()

()

()

()

:

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:- ()

: ()

: ()

: ()

:- ()

()

()

! ! :- - () :

(...) :

() () [] ()

() () - () - :

()

()
()
()
()
()
()
()
()
()

!

!

!

() () !

!

!

[]

() ()

!

[]

()

) :- - ()

:- - ()

(

: ()

[]

! ()

()

)

(

()

()

()

[]

()

[]

[]

()

: ()

:- ()

:- ()

:- ()

: ()

: ()

()

[]:

()

()

-

-

!

()

!

()

()

()

()

[]

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: « » ()

: - ()

: ()

: ()

[]

()

[]

()

[]:

[]:

[]:

[]:

()

()

:

: ()
: ()
: ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

:

=

:-

-

:

()

:

-

-

: ()

: ()

« »

: ()

: ()

:

:

()

.

:-

- ()

: ()

()

()

!

[]

()

[]

()

.

()

[]

()

[]

()

[]

[]

()

()

()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. :- - ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

() () ()

! () ()

[] :

! : ()

()

()

() ()

[]

()

=

: . : : : ()

: . : . : : ()

. :- - ()

: ()

. : ()

: ()

:- - ()

: . : :- - ()

:- - ()

. : ()

() : ()

:- - ()

. : ()

()

()

:

-

()

-

:

()

()

()

()

()

! ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

!

!

!

[]

!

[]

()

[

]

. : ()

: ()

.

()

:

!

[]

()

[]

!

!

[]

()

()

[]

()

[

]

()

()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

·
) :

(

*

!

·
()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:- - ()

· :- - ()

· : ()

· : ()

· : ()

· : ()

· : ()

· : ()

· : ()

[]
()
[]

()
()
[()] ()

[] :
()
()
()

=
()
()
()
()
()
()
()

!

!

()

!

!

[]

()

[]

()

!

()

!

[]:

()

()

[]

()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

- » : . : ()

. : «-

: () ()
()
!

()

:

!

([])
[]

. : ()
: ()
: : ()
. : ()

()

()

.

!

[]

()

!

!

()

()

()

()

()

.

()
()
()
()
()
()
()
()
()
()

:
:-
:
:-
:
:-
:
:-
:
:

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

[]

()

()

()

[]

()

[]

()

()

()

!

! ()

()

()

()

()

()

()

! ()
[] ()
() ()
() ()
! !
:
() ()
! !
() () () ()
() ()
() ()
()

. : ()
: ()
: ()
: ()
: - - ()
: ()
: ()
: ()
: - - ()
: - - ()
: ()
: ()

:()

()

()

! ()

[]

()

! ()

()

()

()

()

()

()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- « » - ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

- - :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

! ()

[] :

()

()

()

()

()

()

()

:

()

[]

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

« » : ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

()

[]

[]

()

[]

. ()

!

()

[]

()

()

.

!

()

()

()

()

.

:- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - :- - ()

. : ()

:- - ()

- - :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

()

()

()

[]

()

[

]

()

()

()

()

()

« » : ()
: ()
: ()
- - : ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()

: ()

:

[]:
()

()

()

()

()

[]

()

[]

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: « » : ()

[]:

()

[]

()

()

.()!

!

-

-

:

()

: ()

:- - ()

: ()

()

[]
()
[()] ()
()

()

[] ()

()

! :

: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()

:

!

»:()

.«

[]

()

[]

()

!

[]

()

. : ()
:- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

()

!()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

() ()

[]:

()

()

() [()]: ()

()
()
()
()
()
()
()

()

()

() ()
: ()
:() ()
*):

() ()
: :
« »:
:
» : ()

» :

.«
« »:
:

.«

»:

:

»:

.«

:

.« »:

[]

()

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

[]

() ()
() () ()

() ()

() ! ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

« » ()

=

!

! ()

()

()

()

!

()

()

[]

()

[

]

[]

=

: ()

: ()

:- - ()

: ()

.{ } : « » ()

: ()

()

()

:

[]:

()

()

()

() ()

()

()

()

!()

[]

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

()
[()]
()
()
[]
()
.
.
.
.
() :
()
()
()
()
()

. : ()
. : ()
. :- - ()
. : ()
. :- - ()

) : ()

()

() ()

(

[()]

!

:

()

[()]

()

()

!

[()]

()

()

-

()

()

()

-

()

: ()

:- - ()

: ()

« » :- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

() ()

()

!()

()

:

()

()

:

[]

()

[]

[]

[]

()

()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: « » :- - ()

: ()

: ()

()

()

()

()

(

)

()

()

[]

()

- - !

()

()

()

:

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

() ()
[] ()
: ()
() () ()
: ()
()
()
[] * () () ()
() ()

:- - ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

* ()) (()) () () ()

!

!

[]

()

()

!

()

()

()

()

- - !

.

=
()
()
()
()
()
()
()
()

» : ()

.« ()

:

()

()

:

:()

[]

[]

()

()

. : ()
. : ()
:- - ()
:- - ()
. : ()

() () ()
 ()
 ()
 () () () ()
 () () ()
 () ()
 ()
 ()

[]

:- - . :- - ()
 :- - . :- - ()
 . : ()
 . : ()
 . :- - ()
 . :- - :- - ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . :- - :- - :- - :- - : ()
 . : ()
 . : ()

نهج البلاغة

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

!

!

()

()

!

[

]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () () () !

[:] ()

() ()
() ()
() ()
()

()

. : ()
. : : ()
:- - ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
- - : - ()
. : ()
. : ()
. : ()

. : « » : ()
: « » : () .
: . :
: . : .
: « » : . : « »
: () : « » : .

[]
()
[]
() () :
() () :

[] :
()

()

= : ()
: ()
: ()
- - : ()
:- - ()
: . : ()

()

()

[]

[] ()

()

[]

()

()

!

=

: : : :- - ()

: :- -

: - ()

: ()

: ()

: : : ()

[^()]

()

()

[]

()

() :

:

() ! ()

() !

() .

: - - !

. : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

()

()

[]

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

« » : ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

[

]

()

)

(

:

:

:()

:

:-

:

[]

()

[]

:-

:

:

()

()

()

() () ()
()

()

! () () [] () ()
!

[]
() ()
()

[]:

:

: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()

() () :

() ! ()

[!]

! .

:

.

:

() ()

() ()

() ()

() ()

() ()

!

[]

()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

[()]
[]

[]

[]

() ()

[]

.

:

()

[]

()

[]

()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

()

()

!

[]

()

]

[

()

()

-

:

()

()

()

()

:-

-

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

()

()

.

[]

()

[]

()

()

()

()

!

!

()

()

()

()

.()

()

.

.

()
:- - ()
: . : ()
: . : ()
: . : ()
: . : ()
:- - ()
: ()
: . : ()
: . : ()

[]
()
[]

()

» : ()
«.

()

()

()

()

[]

: ()

: ()

: ()

: - ()

: ()

: ()

:

()

()

()

:

()

()

[]

()

!

()

()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

()

[]

()

): ()

() : ()

() ()

() ()

: ()

» : ()

«

[]

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

[]

)
()«

» : (

[]

(: ()) :
()

() ()

()

()

()

()

()

[]

!

[]

()

()

[]

()

[]

[:]

=

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: :- -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

()

!

:

[]

()

:

:()

:

:

()

()

()

()

()

()

=

:- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

() ()

() ()

! ()

()

- -

()

! ()

!

!

-

()

()

()

=

: ()

: « » : ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

: ()

()

()

()

()

()

[]

()

)

:

()

()

(

:

[]

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: - ()

: ()

[.]

()

()

()

() ()

() ()

()

()

()

()

()

()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - :- - ()

:- - ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

=

. - . : ()

()

()

! ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]
()

)

(
()

!

!

!

!

!

:

()

()

()

: ()

- ()

:- ()

: ()

: ()

:- ()

: ()

: ()

·
:()

! ()

·
- - -
! ()

()

() ()

()

:

() :
()

=
:- - ()

·
: ()

· :- - ()

· : ()

· :- - ()

· : ()

· : ()

· - ()

()

[]

()

()

()

()

:

{

}

: ()

: ()

: ()

[]

!

()

!

()

()

()

!

()

):

(

):

(

(

()

)

. : ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()

()
()
!
[]
()
:
() ()
() ()
[]
()
[]
[]

. : . : - - ()
: : : ()
: : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

()

[]

(

)

()

()

()

:

!

! ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()
() ()
() !
()
!
!
()
[]
()
!
() ()

() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : ()
() :- - ()
() : ()

!
[]

()

()

()

()

()
!

()

()

()

()

()

)

()

[]

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!()

« »

« »

« »

()

()

()

()

()

()

()

=

() !

()

()

()

()

()

:

()

=

:

:

()

:

()

:

()

:

()

:

:

()

:

()

:

()

()

()

()

() :

:

()

()

()

()

()

()

()

{

}

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()
() () ()
() ()
!

() () ()

- - :- - ()
: ()
: ()
: ()
:- - : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

[]

[]

()

·
:

!

!

()

()

()

· :- - ()
: : ()
· : ()
· : ()
· : ()

()

!

()

()

[]

- -

!

:

:

[]

[]

[]

: ()

: ()

: ()

نهج البلاغة

()

: ()

[]
()

() ()

[]

()

[]

()

()

[]

()

[

]

[]

[]

: (

: ()

: :- - ()

: ()

: : ()

: ()

[]
() () () ()
() ! () () ()
() () () ()
() () ! ()
() () () ()

. :- - ()
. : ()
. : ()
. : ()
. :- - ()
- - : ()
. : ()
:- - ()
: ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. :- - ()
. : ()
. : ()
:- - ()

()

[]

()

[]

()

[() ()]

()

()

()

()

[()]

()

()

() ()

: ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

:- - ()

. : . ()

. : ()

: . : ()

. :- - ()

. : ()

. :- - ()

[]

()

()

!

()

:

()

()

()

()

()

()

()

() ()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

{ * } : *

[] !

() ()

() []

=
()
()
()
()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

[]
() ()

() () !
() () () ()

[]
!

()
()
()

.	:	()
.	:	()
.	-	()
.	:	()
.	:	()
.	-	()
.	-	()
.	-	()
.	-	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()

=

() ()

() ()

()

[]

() () ()

()

[]

()

=

:- - ()

:- ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

:- ()

:- ()

()

()

*

}:

{

[()]

]

()

- -

:

!

()

()

()

()

.

: ()

: ()

. :- - ()

: ()

: ()

: ()

[]

() ()
 () ()
 ()
() () () ()
() () () ()

:- - ()
 : ()
 : ()
 :- - ()
 : ()
 : ()
 : ()
 : ()
 :- - ()
 : ()

نهج البلاغة

()

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

.

	:-	-	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:	()
		:-	-
		:	()
		:	()
		:-	-
		:	()
		:-	-
=	:	:	-

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

:

) ()

()

(

()

() ()

() ()

()

()
()
()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

:

() () ()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

[]

()

! () ()

()

() ()

() ()

()

() ! ()

. : ()
 . : ()
 . : ()
 . :- - ()
 . :- - ()
 . : ()
 . : ()
 . :- - ()
 . :- - ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . :- - : ()

! :

!

() () ()
() () () () ()
() ()

!

[()

]

: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

[]

()

:

()

()

[] ()

()

()

()

()

: ()

» :

.«

:

()

: ()

: ()

:- - ()

: - - : ()

: ()

: ()

:- - ()

.« » : ()
.
» : ()
.«
.
: :
() » :
()
.« ()
» :
.«
()
()
()
()
()
:- -
.
()
:- -
.
:
:
:
:- - ()
:- - ()
:- - ()

!

()

()

!

[]

()

[]

: ()

) :()

(

) ()

:

:(

- -

·
:

()

()

:- - ()

· : ()

: ()

· : ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

!()

:

!

()

()

:

!

.

()

()

()

.

()

.

:

:-

-

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

() ()

()

() :

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :()

:

:

:()

!

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
: ()
. : ()
. : ()
. : ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

)

()

()

(

[]

()

[]

[]

()

()

[]

) ()

()

()

.(

:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
: ()
- - : ()
: ()
: ()

[]

()

() () ()

() !

() () ()

[]

([()]) ()

() :

() :

() :

() :

() :- -

() :

() :- -

() :- -

() :

() :

() :- -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

[]

()

]

[

()

()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

() () () () () ()

()

()

[()]
()
()

() () () () () ()

: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
:- - ()
: : ()
: : ()
: - - : ()
: - - : ()
: - - : ()
: - - : ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

)

(

*

):

(

()

()

:- - ()

. : ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

: ()

. : ()

. : ()

:- - ()

() ()

()

):

() () ()
() () :

[]

()

[]

()

()

[]

()

:- - ()

· : ()

· :- - ()

· : ()

· : ()

· : ()

()

()

[]

()

[]

()

[]

()

[]

()

() :

()

()

()

.	:-	-	()
.	:-	-	()
:	:-	-	()
.	:-	-	()
.		:	()
.		:	()
.		:	()
.		:	()

!

[]

()

: ()

!

()

()

()

()

!

()

()

()

() [

]

()

()

[]

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()
[]
()
! : . :
[]
()
() !
()
() () ()
()
[]
()

: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

() ()

!

()

()

.

()

;

()

()

.

:()

[]

()

. : ()

. : ()

:- - ()

:- - ()

. : ()

:

() ()
[]
() ()
() ()
() ()
() ()
() ()
« » : ()
[]
() ()
()

!
!
!

: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()

[]

()

-

-

:

()

:

:

:

:

:

!

!

!

()

!

!

:

!

:

!

()

()

[]

()

:()

:

()

:

()

:

()

:

()

)
» : (.«
:
[]
() ()
() () : ()
() ()
.
[]
() ()
:
() () !
[]
()

. : ()
. : ()
. : ()
. : ()

[]

()

()

()

: ()

()

()

)

(

[]

()

[]

()

() () () ()

: ()

: ()

: ()

: - - ()

: ()

: - ()

نهج البلاغة

[] () () ()
() () () () ()
() ()
() ()
() () ()

=
: ()
: ()
()
: ()
: ()
: ()
- - ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()
« » : ()
: ()
«... » : ()
: ()
:- - ()
: ()

()

()

()

.

()

!

) ()

()

(

[]

()

[

]

.

[]

()

[

]

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () () :() :

[]

()

[]

()

()

()

()

()

.

. :- - ()

. : ()

. : ()

. () : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. :- - ()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

:- - ()

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

()
[]
[] ()
()
()
!
!
()
!
[]
()

. : . :- - ()
: : : ()
. : ()
: ()

[]

()

() ()

()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

-	-	-	.
()	-	()	-
	.	()	-
	.	:()	
-	-		
	()		
	.		
-			-
	()		
	()		
	()	()	
		...	()
	.	:	()
	.	« »	()
	.	:- -	()
	.	:	()
	.	:	()

()

[]

()

[]

()

()

:

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:-

-

()

() :

()

[]

()

!

()

!

()

()

[]

()

[

()

()

()

]

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

[]
()
. { * () } :
! () ! () ! ()
! () ! () ! ()
() !
() ()
: () () ()
() () ()

: ()
. : ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

()

.

()

()

()

()

()

:

()

()

:

:-

-

()

.

.

:

()

.

:-

-

()

.

:-

-

()

.

:

()

.

:-

-

()

.

:

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:-

-

()

.

:

-

-

()

.

:

()

.

:

()

:-

-

()

() () ()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

()

() () ()

.

()

() ()

()

.

()

()

⋮ ⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

⋮ ()

.

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

{

}

:

()

()

()

:- - ()

: - ()

: . : ()

:- - : ()

:- - . : ()

: ()

:- - .- - :- - ()

:- - ()

: ()

: - - ()

()

! ()

! ()

()

()

()

()

!

()

()

()

()

[]

()

[]

=

()

()

()

()

()

()

()

« » « »

()

()

()

()

() () ()

() ()

!

() () ()

[()] ()

()

()

()

! () :

()

_____ ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

! ()

()

!

()

() :

! ()

:

: !

()

()

[] ()

()

()

!

()

[]

()

[

]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()
() () ()
[] ()
[] () () ()
!() () () ()
()
[] ()
:- - ()
:- - ()
:- ()
:- - ()
:- - ()
) : ()
(
: : -
.! : ()
:- - ()
:- ()
: ()

()

()

()

()

()

[]

()

[]

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

:()

:()

:()

:()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

:()

:()

:()

:- - ()

() () () () () ()
() () () ()
() () () () () ()
() () () () ()
() () () ; ()
() () ()

()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : - ()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() : - - ()
() : - - ()
() : ()
() :- - ()
() : ()
() : - - ()
() : ()
() : ()
() : ()
() : ()

[]

() () ()
() ()

()

()

:

()

()

[]

=
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

()

()

()

[]

()

:()

()

()

()

[]

()

[

]

[

]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

[]

()

:

:-

-

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

!

()

()

!

!

!

[]

()

()

()

()

«

»

:()

.

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

:-

-

[]

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

[]

()

()

()

:- - ()
:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
- - ()
- - ()

=

()

()

()

()

[]

()

[

]

()

()

()

()

()

()

()

_____ =

: ()

: ()

: - - ()

: . : ()

: . :- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

: ()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

∴ ()

∴ ()

∴ ()

∴ ()

∴ ()

∴ - ()

∴ ∴ ()

∴ ()

∴ ∴

∴ ()

∴ - ()

[]

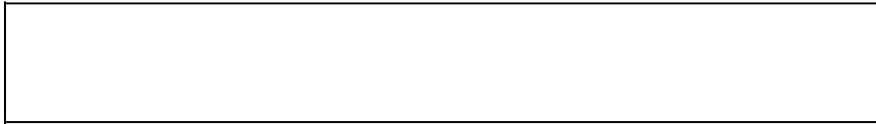
()

()

:()

! ()

!



[]

()

() ()

:()

()

: ()

: ()

:

()

()

: ()

: ()

()

()

()

()

()

()

[]

()

[]

()

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

.

!

!

.

:

:

()

()

.

()

()

()

()

()

()

()

.	:	()
:-	-	()
.	:	()
.	:	()
:-	-	()
.	:	()
.	:	()
:-	-	()
.	:	()
.	:	()

()

[]

()

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

:- - ()

.

! ;()

[]

()

() () ()

()

() ()

()

() ()

[]

()

:- - ()

:- - ()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

() ()

()

()

() ()

!
()

() ()

()

[]

()

()

()

. : ()
:- - ()
:- - ()
()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
:- - ()
: ()

() ()

()

()

()

.

()

()

()

()

.

!

()

()

()

()

.

:

: : ()

" "

.

: ()

. :- - ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. - - : ()

. : ()

()

[]

()

() ()

() ()

() ()

() ()

()

() ()

()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

: ()

=

[]

() () ()
()
()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

=

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () () ()

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

()

[]

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: - ()

: ()

: - ()

: ()

:

[]

:

() () ()
()

()

()

:

[]

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

!

()

()

[]

()

()

() ()

()

()

()

[]

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

)

() : () ()

() () ()

[] ()

()

- ! - () [] [] ()

.

:

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

:

()

[]

()

()

:

()

)

(

()

()

[]

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

:

()

()

()

()

()

()

- ()

-

)

: "

":

()

:

"

":(

[]

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

-

:

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

!

()

=

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

: - - : ()
: ()
: ()
:- - ()

() ()

()

()

() " : ()

"
[]

()

) []

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

()

()

!

()

):

(

):

(

)

()

()

(

()

()

()

:

()

!

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

-

()

:

()

:

()

:

()

!

()

()

() ()

!()

()

()

()

()

()

()

()

(

)

!

()

()

!()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

() () ()

() ()

()

[]

() ()

()

() ()

[]

()

()

	=
.	: ()
.	: ()
:-	- ()
.	: ()
:-	- ()
.	: ()
.	: ()
.	:- ()
.	: ()
.	: ()
.	: ()
.	: ()

نهج البلاغة

() () () () ()
() () ()

()

()

[]

()

() () ()

() () () () ()

. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
:- - ()
. : ()
:- - ()
. : ()
. : ()

()

!

() ()

()

()

[]

()

()

"

()

()

()

()

()

()

()

=

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

()

() ()

() [] ()

()

()

()

()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.

() ()

()

()

() . ()

()

()

.

()

.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
-	-	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()

() ()

() ()
() ()

!
()

)

: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

()

()

(

. - -

()

.

.

()

()

()

()

()

()

()

()

()

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. : ()

. :- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

نهج البلاغة

()

()

()

()

()

()

]

[^()

]

[

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

.

()

()

.

[]

()

()

()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

() ()

() () () () () ()

() () () () () ()

[]

! () ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. :- - ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

- - :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

!

()

!

()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () () () ()

() () () ()

!

() ()

. : ()
. : ()
. : ()
:- - ()
. : ()
. : ()
. : ()
:- - ()
. : ()
. : ()
- - : ()

()

()

()

()

[]

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

- ()

- ()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

() ()

[]

()

()

()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

[]

()

()

()

()

: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()

=

() () () ()

()

() ()

()

() () () ()

()

()

[]

()

:- - ()

:- - ()

:- ()

: ()

:- - ()

:- ()

:- - ()

:- ()

:- - ()

:- ()

:- ()

:- ()

:- ()

()

()

!

()

[]

()

()

()

[]

()

()

: ()

: ()

- - : ()

: ()

: ()

() ()
· () ()
() () ()
()

·
! () () ()

() ()
() () ()

: : ()
· : ()
· :- - ()
· :- - ()
· :- - ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· :- - ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()

() () _ () _
! () !
() - -

!

!

()

()

()

()

()

!() ()

[]

()

: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()

:

()

()

()

()

[]

()

:()

:

()

()

()

()

()

()

()
:
()
:- - ()
:
()
:- - ()
:
()
:- - ()
:- - ()

[]

()

() () () ()

() ()

()

:" ()

:" "

[]

()

:()

:()

:- - ()

:- - ()

:()

:- - ()

:()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

:- - ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

:- - :- - ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

-

()

()

-

()

:

()

()

: ()

()

()

:-

-

()

: ()

. : - - ()

: ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()
() () ()
() () ()
() () ()
! () ! ()
()
()

= ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
" " : () : ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()

() ! () ()
() ! () ()
() () ()
() . () ! ()
() - () - ()
() ; () () ()
() () () ()

. :- - ()
. :- - ()
. : - - ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. :- - ()
. : ()
. :- - ()
. : ()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

(

)]

.[

()

[]

()

()

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

- " "

:

.

() () () ()

()

()

()

[]

()

()

()

: - [] -
"

"

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

" :

(

)

"

: ()

: ()

: - - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

!

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:()

()

()

()

()

()

()

[]

()

:

.

:

: - - ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

() []

:- - ()

()

:- - ()

()

()

:" " " " : : : ()

()

()

()

()

" " : ()

()

()

()

()

[]

()

[]

:

:

()

()

=

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

()

:

() ()

()

!

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () : ()
() () . () ()

() ()
()
! () () () ()

()
() .
()

() () ()

()
() :
()
() :
() : ... : ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

() :- - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

· :

· :

()

· :

()

· :- -

()

· :

()

· :- -

()

· :

()

· :- -

()

· :

()

· :

()

· :

()

· :

()

· :- -

()

· :

()

· :

()

· :

()

() ()

()
()

()

()

:

()

()

()
()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

()

()

()

]

.[

() []

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: : ()

: - ()

: ()

()

()

()

()

) :

:((

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

- - : ()

. : ()

. :- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

=

()

()

()

()

() ()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

-

-

:-

-

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()
()
()

()
()

()

()

()

()

()

" () :

()

()

()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

: ()

- - : ()

:- - ()

:- - ()

: ()

: ()

() () () () ."
() ()
() ! ()
() :
()

()

:

()

=

..... : ()
:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()

()

()

."

":

:

()

()

!

()

()

[]

]

()

()

()

[

()

:

(

:-

-

:

()

.

.

:

()

.

:

()

.

:-

-

()

:

()

.

:

:

()

.

:-

-

()

:

:-

-

:

()

()

()

()

() ()

()

() [()]

()

()

()

()

() :- - ()

() :

() :- - ()

() :

() :

:

() :

() :

() :

() :- - ()

() :

() :

() :

()

() ()

()

() ()

() () () ()

() ()

()

:- - ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()

] ^() () () [

() .

() .

()

) : ()

([]

() () ()

:- - ()

: ()

- - :- - ()

. : ()

. : ()

:- - ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

()

()

()

()

()

.

:

()

" :

()

.

"

.

()

.

[]

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

[]

: []

()

()

()

:- - ()

: ()

: ()

: - - ()

: ()

: ()

()

()

[]

()

()

()

()

!

()

:

!()

:

: ()

" " " " : ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()
()

()

() ()

[] ()

[]

()

()

- () ()

()
()
()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!

()

()

-

-

()

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

[]

()

()

()

()

()

"

: ()

:"

:

:-

-

()

.

-

-

: ()

:

()

:

()

:

-

()

:

()

()

:

()

:" "

()

!()

()

.

()

:

!

()

()

()

*

()

:

()

()

()

!!

()

!

()

()

()

()

· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· :- - ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()
· : ()

()

()

[]

()

() ()

() ()

() () () ()

()

()

=

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:- -

:- -

.() :

نهج البلاغة

() () ()
() () () () ()
() () () () ()
() () () () ()
() () () () ()

- : :- - ()
: : ()
: . -
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: : ()
: :- - ()
:- - ()
: : ()
: :- - ()
: : ()
: :- - ()
:- - ()

() () ()

() () ()

) :

:

() :

[] () ()

:

()

! [] ()

[] ()

:- - ()

: - - ()

" " : ()

:- - ()

:- - ()

:

: " " ()

:- ()

()

[]

()

!

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

[]

()

()

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

!!()

- -

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:()

()

()

[]

()

()

:

[]

()

()

()

()

()

: ()

:- - : ()

: ()

- : :

: ()

:-

:- - ()

: ()

: - - ()

: ()

: ()

()

()

()

()

()

.

! ()

()

()

. []
[]

()

:() ()

()

:

:

()

.

:

()

.

:

()

.

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

:

()

! []

[]

()

:

()

()

()

[]

()

()

[]

()

· : ()

· : ()

:- - ()

- - ()

()

()

[]

()

()

()

()

()

[]

()

()

[]

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()



()

:() .

()

() :() .

()

()

()

()

()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

: - ()

: ()

: [] () .

.« () »
() () :()
() ()

: () .

() () :() .

() :() .

() () :() .

:() .

:

:() .

: ()

: - - ()

:- - ()

:- - ()

:- - ()

: ()

:- - : ()

: ()

: ()

:() .

:() .

:() .

:() .

:() .

:() .

!

:() .

() .

:

()

:

:

()

:

:()

()

: ()

: ()

: ()

:- - ()

: ()

: ()

: () ()

() ! : ()
! () []
:() :() .

() :

()
:()

=
: ()
: ()
: ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()
:- ()

() : () .
: () .
: .
: () .
() : () .
: () .
« » () :
() : () .
[()]
() : () .
: ()
: ()
: ()
: ()

()

]» : ()

«.

[

:

:() .

:() .

:() .

:() .

:() .

()

:() .

:() .

:() .

()

:() .

:() .

:() .

:() .

:() .

:() .

- - : ()

:- - ()

: ()

() : () .
() : () .
:() .]
.[: () .
: () .
: () .
: () .
: () .
: () .
.[] : () .
() : () .
: () .
: () .
: () .
() : () .
:() .
() : () .
: () .
: () .
:- () .
:- () .
: () .
: () .
:- () .
: () .

·
· ()
·
· ()
·
· ()
·
· () ()
·
· ()
·
· ()
·
· ()
·
· ()
·
· () () ()
·
· ()

· ()
· ()
· ()
· ()
· ()
· ()
· ()
· ()
· ()
· ()

)

.(

:() .
()

: () .

:() .

()

:() .

:

:

() .

:

()

:() .

.()

:

:() .

.()

:() .

.()

:

:()
:()
:()

:()

:()

() :

()

()

()

()

.

:

.

:

.

:()

.

):()

(

()

:()

!

: () ()

()

.

.

:()

.

.

()
()
()
()
()
()

.
:() .
() () :-() .
() :

()
() ()
() () ()
() () ()

() :-() .
()

:- - ()
:- - ()
: ()
: ()
:- - ()
: ()
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()

: ()

() : () .
() ()
() .
:
()
:
:()
.
() : () .
()

! ()
!()

. : ()
.
:
:
:
:
:- - ()
:
:
:

:() .
! () () :
 ()
:() .
 () !
 () : : () .
 . : () .
 : () .
 !
 : () .
 .
 .
 .
 : () .
 : () .

:- - . - - : ()
 : ()
 . : ()
 : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()
 . : ()

() () () ! ()

!!^()

[:()] .
()

•
.()
• () : () .
: : () .

() : () .

• : ()
• : ()
• : ()
• : ()
• : ()
• : ()
• : ()
• : ()

() [!]
() ()
() () ()
() () !
() ! ()
.
()
.
() ()
() () !

. - - : ()
.
: ()
:
()
.
:- - ()
:
()
.
- - : ()
:
()
.
:- - ()
:
()
.
: - - ()
:
()
.
:
()
:
()

() ()

() : : () .

: : () .
() ()

: : () .

: : () .

() :

) : () : (

()

(
: () .

: () .

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

. : ()

() () () :

()

:

()

:

! () () ()

() () () !

()

() :- - ()

() :- - ()

() :

() :

() :- - ()

() :- - ()

() :

() :

() :- - ()

()

()

!()

!

()

.
.
- -

()

()

()

!

.
:() .
:() .
: () .
()

. : ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: ()
: - - ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:-	- ()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:-	- ()
.	:	()
.	:-	- ()
.	:	()
.	:	()
.	:	()

.	()	:	()	.
.		:	()	.
.	()	:	()	.
.		:	()	.
.		:	()	.
.		:	()	.
.		:	()	.
.		:	()	.
.	()	:	()	.
.	()	:	()	.
.	()	:	()	.
.		:	()	.
.		:	()	.
.	!	:	()	.
				()

:	()
.	
:	()
:	()
:	()
:	()
:	()
«	» :
	()

!

.

:() .

:() .

() .

:- - () .

:() () .

.

:

:

:

.

:

() .

:() .

() () .

:

() .

.

:() .

.

:- - ()

.

:

()

.

:

()

:

:() .

.()

:() .

:

:() .

:

:() .

:

:() .

):

(

:() .

() ()

:- - ()

:- - ()

:

:- - ()

:

:- - ()

:- - ()

. : () .
() : () .
: () .
. : () .
. : () .
. : () .
. : () .
() : () .
() ()

! : () .
: () .
: () .
: () .

=
()
()
()
()
()
()
()
()

() () : () .
() () () () () ! ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()
() () () ()

() :- - ()
() : ()
() : ()
() :- - ()
() : ()
() : ()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() : ()
() :- - ()
() :- - ()

نهج البلاغة

() () ()
! () () ()
() !
:() .
() ()
:
! () () .
()
()
:() .
()

()

. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()
: - - ()
: : ()
:
: ()
: ()
:- - ()
:- - ()
: : ()

() () () () ()

:() .

:

: () .

: []

;

()

()

:

: ()

()

« »

. : ()
- - : ()
. : ()
:- - ()
. : ()
. : ()
. : ()
. : ()

. () .
:
()
.
() ()
:
() : ()
;
()
:() .
:() .
() ()
() :
:() .
:
()
:
:
:
:
:
:- - ()
: ()
: ()
- - : ()
: ()
:- - ()

:() .
!

() () : () .

() () : () .
() ()

[] : () .
[]

:() .

: ()

: ()
:- - ()

:- - ()

:- - ()

() : () .
()

: () .

: () .

: () .

()

() : () .

: () .]

. [: () . ()

() : () . ()

: () .

: ()

: - - ()

: ()

: ()

: - - ()

: - - ()

: ()

!

:() .

:() .

()

:() .

:() .

() () ! () () : () .

;

;

!

:() .]

:() .

:() .

:() .

:()

:- - ()

:- - ()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

:()

()

()

.[

()

:()

.

()

.

:

:

:

()

()

()

:()

.

:

:

()

.

()

()

.

:

:

()

!

:()

.

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

. : () .

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

()

:() .

()

:

:() .

() () ()

:- - ()

()

: ()

: ()

		()	.
()	()	:()	.
		:	.
!		() :()	.
		:()	.
		:()	.
		:	.
	()	:()	.
		:()	.
()		:()	.
:	:	:()	.
		<hr/>	
		:	()
		:	()
	:	:	()
		: - -	()
		:	()
		()
		:	()

.
:() .
() .
()
: : : ()
: « »: ()
:() .
.[: () .]
: : () .
: : () .
() ()
() : () .
() : () .
:- - ()
: ()
: ()
= : ()

() () :() .

() () () :() .

() () :() .

() :() .

:() .

:() .

()

()

() : () () () ()

()

()

()

()

:()

:()

:- - ()

:()

:()

:- - ()

:()

()

:

:()

()

- ()

() .
 () .
 :- ()
 () ()
 .
 :() .
 :() .
 .
 :() .
 .
 :() .
 .
 : : : :
 .

- -

()
 :- - ()
 : ()